भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 586
गुरुवार, 06 फरवरी, 2025/ 17 माघ, 1946 (शक)को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में हवाई पट्टी का विकास

586. श्री हनुमान बेनीवालः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के माध्यम से राष्ट्रीय हवाईअड्डा विकास योजना के अंतर्गत नागौर सहित राजस्थान में 14 हवाई पट्टियों को विकसित करने के लिए कोई कार्ययोजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त हवाई पट्टियों की विकास योजनाओं के संबंध में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार की कार्ययोजना के अनुसार उक्त हवाई पट्टियों को कब तक विकसित किए जाने की संभावना है; और

(घ) नागौर हवाई पट्टी के विकास के लिए अपेक्षित अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग) **:** हवाईअड्डों पर बुनियादी ढांचे का विस्तार और विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक कारकों, यातायात की मांग और एयरलाइनों की ऐसे हवाईअड्डों से परिचालन करने की इच्छा के आधार पर किया जाता है।

भूमि अधिग्रहण, वित्तपोषण, आरएंड आर आदि सहित हवाईअड्डा परियोजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता या राज्य सरकार, जैसा भी मामला हो, की होती है। हवाईअड्डा परियोजनाओं के पूरा होने की समयसीमा भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य क्लियरेंसों की उपलब्धता, वित्तीय समापन आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करती है।

(घ) **:** नागौर हवाईपट्टी राजस्थान राज्य सरकार की है और यह क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) दस्तावेज़ में असेवित हवाईअड्डों/हवाईपट्टियों

की अनंतिम सूची में उपलब्ध है। हालांकि, उड़ान योजना के तहत पांच दौर की बोली प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी एयरलाइन बोलीदाता ने नागौर हवाईपट्टी से आरसीएस उड़ान प्रचालित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

******